No. of Printed Pages : 3

MHD–19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी–19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(क) घर के एक सुनसान कोने में
लुटी–पिटी–सी
कच्ची जमीन पर पसरी
एक अदद औरत
गुमसुम–सी, अपने आप में खोई हुई
घर से गये

अपने आदमी के लौटने की
मीठी कल्पना सीने से लगाए
दरवाजे की ओर आँखें बिछाए
पिछले एक दिन और एक रात से
इंतजार कर रही है
यही सच है।

(ख) प्रचलित परिपाटी से हटकर
मैं भागती हूँ सब ओर एक साथ
विद्रोहिणी बन चीखती हूँ
गूँजती है आवाज सब दिशाओं में
मुझे अनन्त असीम दिगन्त चाहिए
छत का खुला आसमान नहीं
आसमान की खुली छत चाहिए!
मुझे अनन्त आसमान चाहिए!

2. 'घृणा तुम्हें मार सकती है' कविता का मूल प्रतिपाद्य लिखिए।
3. " 'विद्रोहिणी' सघन स्त्री संवेदना की कविता है।" इस कथन की विवेचना कीजिए।
4. 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' में निहित दलित उत्पीड़न का समाजशास्त्र और गाँव की संरचना पर प्रकाश डालिए।
5. हिन्दी दलित कहानी की मूल-प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

6. 'अंगारा' कहानी में अभिव्यक्त स्त्री अस्मिता के प्रश्न और प्रतिरोध के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

7. हिन्दी दलित आत्मकथा में निहित सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षिक परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए।

8. 'अपने-अपने पिंजरे' में अभिव्यक्त ज्ञानार्जन की समस्या और आर्थिक स्रोतों की तलाश के संकट को स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×